

चकालें गगुदायां वा साधयत्सर्गं सर्वदा भायथमं तावत्तु वृद्ध वापि सत्त्वा न
त्रिषण्णगमनादिकं कृत्वा दक्ष विरुम्भदाह वत् ॥ यथर्मभेदो द्विक्रियक नर्म
विलावयत् ॥ रुक्मिण्यमृदि भांयमायुकावत्तुर्थेन युका विस्य वत् ॥ वरुर्वस्माद्विद
नाकि ॥ तस्य १० रुक्मीनममनुशा ॥ उं वज्रवनालीकीलथर्हं रुद्र ॥ पूर्व ॥ उं वज्रकका
लवचरहं रुद्र ॥ दद्विं ॥ उं वज्रवधुमस नमूह्णरुद्रयशमरहं रुद्र ॥ पाश्चिं ॥ उं वज्र

मूकवकर २ कर्क २ हं रुद्र ॥ उरु ॥ उंचधुमहावापनाभिधुंनकर २ मावलश्वन २
द्वय २ हं हं रुद्र ॥ कीलयक ॥ सर्वे इष्टयुद्धाजीकिनीनांमयदवंशरुद्रकपिभा
वाद्यालुवविष्णुविकथकोलयत्सर्वे इष्टाजीमकुवाश्वनकर १ शिवजी ॥ उं
आ १ हं क १ यथालु ॥ उं शु न्नाजीहानवजस्वरावात्मकाहं ॥ पुनः १ विभुद्धिमनस्म
नक ॥ उं १ हं वंसा ॥ उत्पारयक ॥ सर्वे विरुनाधर्मधारुस्वरावात्मकाहं ॥ क १ क १

सामान्यायप्रलाभनादिसमादकहृदि विहावयक ॥ हं कावकृष्णनिर्गमसूर्यमधु
लमानुससूत्रनादिर्वोनदहवं ॥ यच १ वस्मीसमावृकीयकृष्णाय १ भाजिनी ॥ क १
संयुक्तवृद्धाजीगुहयुष्मानुसायना १ मोक्षा २ दि सत्त्वानां कृष्यायस्य दधना १
लुविनाध्यायाक ॥ हं कावकृदिनिर्गमकाहं ॥ कावयविनर्गसूर्यमधुली ॥ उकाववि
निर्गमयसंसारहृनी ॥ उं कावयविनर्गखड्गयनिधानंयुक्कविसत्त्वार्थरुद्रकी

विभावयत् ॥ दिव्यं नलमौलिर्नगाधयत् ॥ श्रवायविभुमिर्नः ॥ अर्द्धजानूविकोः
 तं सर्वोत्तमं विरूषिणी ॥ सूर्यमधुलसंशुक्लं सुदृढं वृद्धासुनिर्मलं वामकं नि
 योमकं यत्कं मुद्राय ॥ आहिनी ॥ वायुवर्मायनिधानं कं ॥ मालां निलं धुक ॥ अर्द्ध
 शीप्यसंकासीनिषीयमानं उद्धृतं ॥ वरुमालं हयानकं ॥ नकं वद्धं दयवीवदि
 जलज्जटामहिनी ॥ खड्गवर्माय ॥ गुरुसंवनानां नलं यत् ॥ आहिनी ॥ नकं हयवीवदि

नमु ॥ धीवधुमहावाघनी ॥ लावयस्त्रिविधं नववृद्धादुद्धृतं न संप्रयः ॥ अर्द्धजानूविकोः
 त्वासविनयमन्त्राय ॥ नगायं मरुता ॥ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं वधुः ॥
 नयः वटं पटं वटं कटं यस्तुल्यं यस्तुल्यं लयं रुनं यस्तुल्यं वटं यस्तुल्यं
 रस्तुल्यं यस्तुल्यं मादयं सर्वं भक्तं नमस्तुल्यं वटं ॥ कनूरं सर्वं जतिनी नमस्तुल्यं
 भावव्याधियक्षात् ॥ नमस्तुल्यं यस्तुल्यं मादयं वटं वटं वटं ॥ नकं वटं वटं वटं

धुमसावासनसर्वाहाययति॥ॐ वधुमसावाखधायहंरुद्रस्वाहा॥प्रथममनुवाजावा
सर्वकर्मोवादि॥ॐ ह्रीं ह्रीं येनमथनजाकयरक्षारयरसर्वकामप्रभाधयनहं
रुद्र॥ॐ वधुमसासन॥प्रथमं खखखादि॥भाषय२मन२मानय२हंरुद्र॥ॐ
अवनेकीलयहंरुद्र॥ॐ सर्वमालयहंनहंरुद्र॥ॐ ह्रीं ममाहनायहंरुद्र॥ॐ
यममर्दनमर्दयहंरुद्र॥ॐ कारुनमीकाधनिःकरनायहंरुद्र॥ॐ यय२यवा

अयानिहंनयन्त॥हा२हा२स्व२य२उत्सादय२शिशुंकर्म॥कूर्वरॐ वधुमसा
वापनहंरुद्र॥ॐ नक्ष२संव२न२य२व२य२व२र२मसाकाठवृषाय॥वल२व
लय२ॐ वधुमसावापनहंरुद्र॥ॐ विकानननयनरुद्र॥ॐ जम्भय२वज
वधुमसासनहंरुद्र॥ख०ग०हंसाहिहीहंरुद्र॥ॐ वधुमसावापनहंरुद्र॥
ॐ द२र२प२व२मथ२र२ल२र२ल२य२॥भाषय२गृ२र२हं२जन२जान२ॐ

वधुमहा वाषट्कं रूढं स्वाहा ॥ ॐ ऊमा न कङ्का ॥ ॐ ऐविकु ताना न रूढं ॥ जाम
य २ वधुय वधु रूढं ॥ ॐ हिले २ रू २ रू रू रू ॥ विले २ मिले २ लिले २ रू रू
॥ ॐ रू रुका न ॥ र २ र २ र २ रू रू ॥ ॐ सर्वे विद्या धिये कय य व य रु नाम य नः ॥ ॐ
सर्वे जाकि नीजा मय २ व न्ध २ रू रू ॥ ॐ छा लान क बाल वदन ॥ र २ र २ रू ली रू ली
व रू रू व रू ॥ रू न २ रू न य २ सर्वे मय वा क विधि ॥ रू रू य २ रू रू य २ य २ य २

नीयं भाषय रू रू ॥ ॐ वधुमहा वाषट्कं रूढं ॥ ॥ ॐ किमनु यटल वा
पूर्वोक्तं वना विधि वक्ष्ये क कङ्का य रू ॥ मनु य व का का व य रू ॥ नीलं स ली का
आला ज्य वा ना गरु निनि वि य रू ॥ आला व य रू ॥ उ क वे नु न मा न धे ला
कान् न वी ऊ न रु क या ॥ न म या ग न ऊ य त्म रु ला व य रू ॥ या व रु ला या न या ऊ य रू
ख य म ति वि रु रु म न् रु म न् रु ॥ क या त्म या ग न ऊ य त्म रु म हा क या ला व य रू ॥

यावद्द्वयं न जाय खेद भक्ति विमुक्ति ममुक्ति मनुस्मयन् ॥ कदा स्म या गता वि-
स्तारं ॥ योगी रश्मि दृष्टा भृङ्गं नादिन सर्वे वगी कस्य वनो विदुः ॥ यश्च भालि-
यश्च देव कृत्वा न स्यात्तय दि भदि भियन् न स ह न दयि वा न नानि वा भ ॥ ३५ ॥
न घानं सर्व माया विवर्जितं ॥ माया मास मा सो वाधिक स्या माया विवर्जयन् ॥ न
क्षक न र वत्सु र्नि विलक्ष्ण कि नी गामनं यथै रयश्च लक्ष्म कि न्यून द भन

क्षणीय किं चित् क र क ल म क्षक न का न य द्ध धा का टि जा ये न र व-
स्मि द्धिय व का न मूर्ति शिः कि न्य- स फ का टि जा ये न जा य न खे व न द
॥ भावी विनसि ता योगी मनु या ने दि न क था ज य त्म रु र्नि व द्या व ज द यो भु य
भिनि व या या कि वि भु द्या व रु क्ष न क ल य र ॥ र्नि व र्नु र सु वि रु न ना गा ना
ग विव र्ज य र ॥ अ क्षा न् मा य क सर्व न सो द क्षा न् मा ले र्नि भु र्नी ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
यद्यप्यहं कुरुपुत्रावाक्यं कुरुष्व नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
वर्तमानं सदाशिवं श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
यदिह कुरुपुत्रावाक्यं कुरुष्व नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥